ये अव्यक्त इशारे

समय की समीपता प्रमाण अव्यक्त फरिश्ता बनो

13-04-2023

फरिश्ता जीवन की विशेषता है -इच्छा मात्रम् अविद्या। देवताई जीवन में तो इच्छा की बात ही नहीं। जब ब्राह्मण जीवन सो फरिश्ता जीवन बन जाती अर्थात् कर्मातीत स्थिति को प्राप्त हो जाते तब किसी भी शुद्ध कर्म, व्यर्थ कर्म, विकर्म वा पिछला कर्म, किसी भी कर्म के बन्धन में नहीं बंध सकते।

According to the closeness of time, become an avyakt angel.

The speciality of the angelic form is to be totally ignorant of the knowledge of desires. There is no question of desires in the life of a deity. When your life is that of a Brahmin and therefore an angel, that is, when you attain your karmateet stage, you will never be bound by any bondage of pure actions, wasteful actions, sinful actions or past actions.